PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 074
दि. 13.07.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

स्वयं सहायता समूहों से ग्रामीण उद्यम तकः उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे रहीं महिलाएं

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तीकरण केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि आर्थिक परिवर्तन का मजबूत आधार बनता जा रहा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से लगातार लाखों ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार, उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ा जा रहा है.

इसका परिणाम यह है कि आज महिलाएं स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के जरिए न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं.

एक करोड़ महिलाएं करीब 10 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं

वर्तमान में उत्तर प्रदेश की लगभग एक करोड़ महिलाएं करीब 10 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं. इन समूहों ने महिलाओं को केवल बचत और ऋण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें व्यवसाय स्थापित करने, वित्तीय सहायता प्राप्त करने, कौशल विकास प्रशिक्षण लेने और अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का अवसर भी प्रदान किया है.

वाराणसी की रीना सिंह बनीं प्रेरक मिसाल

वाराणसी की रीना सिंह इस परिवर्तन की प्रेरक मिसाल हैं. पति के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए उन्होंने 11 महिलाओं के साथ मिलकर महादेव स्वयं सहायता समूह की शुरूआत की. छोटे स्तर पर आरंभ हुआ यह प्रयास आज हल्दी, धनिया और दालों के प्रसंस्करण के सफल उद्यम में बदल चुका है. इस महिला-नेतृत्व वाले कारोबार का वार्षिक कारोबार 80 लाख रुपये से अधिक है और इससे 200 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार एवं आजीविका के अवसर प्राप्त हो रहे हैं.

स्थानीय स्तर पर सृजित हो रहे रोजगार के अवसर

प्रदेश के विभिन्न जिलों में महिलाएं कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, डेयरी, खाद्य उत्पाद निर्माण, सिलाई, हस्तशिल्प और ग्रामीण मार्ट संचालन जैसे क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं. अब वे केवल कच्चा माल बेचने तक सीमित नहीं हैं बल्कि पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन के माध्यम से अपने उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर रही हैं. इससे गांवों में आय बढ़ रही है, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं और पलायन में भी कमी आ रही है.

योगी सरकार की महिला सशक्तीकरण केंद्रित नीतियां

महिला उद्यमिता को और अधिक मजबूती देने के लिए डिजिटल तकनीक, आधुनिक उपकरण, कौशल प्रशिक्षण, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म तथा बड़े बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है. योगी सरकार की महिला सशक्तीकरण केंद्रित नीतियां इस दिशा में मजबूत आधार तैयार कर रही हैं.

उद्योग, निवेश और आधारभूत संरचना के साथ-साथ महिलाओं द्वारा संचालित ग्रामीण उद्यम आज उत्तर प्रदेश के समावेशी और सतत विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं. यही सशक्त महिलाएं विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं.

4850 करोड़ की सौगात! लखनऊ-कानपुर की दूरी छूमंतर, सीएम योगी, राजनाथ और गडकरी का सैनिक स्कूल में भव्य कार्यक्रम

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के विकास को एक नई और तेज रफ्तार मिलने जा रही है. कल लखनऊ के सैनिक स्कूल से कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का भव्य उद्घाटन किया जाएगा. इस ऐतिहासिक मौके पर 4850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 3 राष्ट्रीय राजमार्गों का लोकार्पण व शिलान्यास होगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कल दोपहर लगभग 3:30 बजे उन्नाव पहुंचेंगे. यहां वे एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करेंगे और 49 किलोमीटर पर फीता काटने के बाद कार से लखनऊ के लिए सफर तय करेंगे. वीआईपी मूवमेंट को लेकर उन्नाव पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है.

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे

उन्नावः उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए, खासकर लखनऊ और कानपुर के बीच सफर करने वालों के लिए एक बेहद बड़ी और राहत भरी खबर है. इन दोनों प्रमुख शहरों के बीच की दूरी को कम करने वाले बहुप्रतीक्षित 'कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे' का कल भव्य उद्घाटन होने जा रहा है. इसका मुख्य कार्यक्रम लखनऊ के सैनिक स्कूल में आयोजित किया

जाएगा, लेकिन इसके साथ ही उन्नाव में भी एक बड़ा आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें देश और प्रदेश के कई नेता शिरकत करेंगे.

इस उद्घाटन समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश को 4850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 3 राष्ट्रीय राजमार्गों (ठं३ङ्खल्लं' ॡँ६८२) की सौगात मिलेगी. इन परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कल एक साथ किया जाएगा. इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी शामिल होंगे.

दोपहर 3:30 बजे उन्नाव पहुंचेंगे दिग्गज

तय कार्यक्रम के अनुसार, सीएम योगी, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी कल दोपहर लगभग साढ़े 3 बजे उन्नाव पहुंचेंगे. उन्नाव में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के पास एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. यह आयोजन उन्नाव के सदर तहसील के अंतर्गत आने वाले पड़री खुर्द झाऊखेड़ा में किलोमीटर संख्या 51 पर आयोजित किया जाएगा.

सफर का अनुभवः उन्नाव में फीता काटने के बाद, सीएम योगी और दोनों केंद्रीय मंत्री इसी एक्सप्रेस-वे से होते हुए कार के जरिए लखनऊ के मुख्य कार्यक्रम स्थल (सैनिक स्कूल) तक का सफर तय करेंगे.

प्रशासनिक अमला हाई अलर्ट पर

मुख्यमंत्री और दो बड़े केंद्रीय मंत्रियों के एक साथ उन्नाव आने को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है. सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है और कार्यक्रम स्थल के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया जा रहा है. यह एक्सप्रेस-वे न सिर्फ यातायात को सुगम बनाएगा, बल्कि आस-पास के क्षेत्रों में औद्योगिक और आर्थिक विकास के नए दरवाजे भी खोलेगा.

ताल रिंग रोड पर पौधरोपणः सीएम योगी ने कहा- 'वनों से ही नदियां रहेंगी सदानीरा', ली सेल्फी- मौलश्री का पौधा लगाया

(जीएनएस)।

गोरखपुर, मुख्यमंत्री, रविवार को पौधरोपण महायज्ञ 2026 के अंतर्गत आरकेबीके के समीप ताल रिंग रोड के किनारे मौलश्री का पौधा लगाने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण असंतुलन से वर्षा चक्र का अंतर बढ़ता है और इसका प्रतिकूल असर अन्नदाता किसान के लिए संकट पैदा करता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को पौधरोपण की महत्ता समझाते हुए कहा कि एक वृक्ष अपने भीतर हजारों लीटर जल का अवशोषण करके रखता है। नदियां वहीं सदानीरा होती हैं जहां वन या बहुतायत में वृक्ष होते हैं। ऐसे में यदि वृक्षों की अंधाधुंध कटान होगी तो जल और जल की कमी से खाद्यान्न का संकट खड़ा हो सकता है।

मुख्यमंत्री, रविवार को पौधरोपण महायज्ञ 2026 के अंतर्गत आरकेबीके के समीप ताल रिंग रोड के किनारे मौलश्री का पौधा लगाने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण असंतुलन से वर्षा चक्र का अंतर बढ़ता है और इसका प्रतिकूल असर अन्नदाता किसान के लिए संकट पैदा करता है।

बड़े पैमाने पर पेड़ों के कटान से पेयजल का संकट और सूखे की स्थिति बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण संतुलन बनाने के लिए अपने दायित्व का निवर्हन करने को हर नागरिक को 'एक पेड़ मां के नाम' थीम को समर्पित पौधरोपण महाभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ ही उसकी सुरक्षा का संकल्प भी लेना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष एक ही दिन में सरकार ने 35 करोड़ पौधरोपण करने का लक्ष्य तय किया है। लक्ष्य बड़ा भले हो लेकिन यूपी जैसे राज्य में जहां 57 लाख से अधिक नर्सरियां हैं, के लिए यह मुश्किल नहीं है। पौधरोपण महाभियान में औषधीय, फलदार, छायादार, इमारती हर तरह के पौधे लगाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हर वर्ष पौधरोपण के बड़े अभियान को आगे बढ़ाया है और लगाए गए पौधों की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की है। इसी का परिणाम है कि सर्वे में वनाच्छादन का विस्तार स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि कृतज्ञता ज्ञापन भारतीय संस्कृति की पहचान है और व्यापक पैमाने पर पौधरोपण के जरिये हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर वर्तमान और भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं।

ताल रिंग रोड के किनारे पौधरोपण करने के बाद मुख्यमंत्री ने रामगढ़ताल की खूबसूरती को निहारा और सेल्फी भी ली। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता सहित कई पार्षद भी उपस्थित रहे।

'25,000 शवों के सबूत दीजिए,अगर सच निकला तो माफी मांगूंगा', सतलुज की टीम को मोदी के मंत्री ने दिया ओपन चैलेंज!

(जीएनएस)।

फिल्म 'सतलुज' को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस मामले में मोदी कैबिनेट के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने फिल्म के निमार्ता और निर्देशक को सार्वजनिक चुनौती देते हुए कहा है कि अगर फिल्म में 25 हजार लोगों के लापता होने और गैर-कानूनी अंतिम संस्कार जैसे दावे किए गए हैं, तो उनके समर्थन में सरकारी रिकॉर्ड, न्यायिक दस्तावेज और सत्यापित सबूत भी सामने रखे जाएं। उन्होंने ये भी कहा कि अगर वे डेटा को ऑथेंटिकेट करते हैं तो वे सबके सामने माफी मांगेंगे।

यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित बताई जाती है। खालड़ा ने 1984 से 1994 के बीच पंजाब में अज्ञात शवों के कथित गैर-कानूनी अंतिम संस्कार के मामलों को उठाया था। सितंबर 1995 में अमृतसर स्थित उनके घर के बाहर से उनका अपहरण हुआ था। बाद में उनकी हत्या की पुष्टि हुई, लेकिन उनका शव कभी बरामद नहीं हुआ।

फिल्म पहले 'पंजाब 95' नाम से बनाई गई थी। बाद में इसका नाम बदलकर 'सतलुज' रखा गया। रिलीज के दो दिन बाद ही इसे भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म `एए5 से हटा दिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का हवाला दिया था

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह की खुली चुनौती- '25,000 शवों के सबूत दीजिए,रिकॉर्ड दिखाए'

रेल राज्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि क्रिएटिव फ्रीडम का मतलब यह नहीं है कि विवादित दावों को ऐतिहासिक सच की तरह पेश किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर फिल्म में 25 हजार लोगों के लापता होने का आंकड़ा दिखाया गया है, तो इसके पीछे मौजूद सभी आधिकारिक दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने चाहिए। बिट्टू ने सवाल उठाया कि अगर यह संख्या केवल एक अनुमान या आरोप है, तो इसे अंतिम और स्थापित ऐतिहासिक तथ्य की तरह क्यों दिखाया गया। उनका कहना है कि दर्शकों को यह भी बताया जाना चाहिए कि क्या इस आंकड़े की पुष्टि किसी अंतिम न्यायिक फैसले में हुई है या नहीं।

एक्स पोस्ट में रवनीत सिंह बिट्टू ने लिखा,

"मैं सतलुज के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को चुनौती देता हूं कि वे पंजाब के लोगों के सामने फिल्म में दिखाए गए 25,000 लापता या गैर-कानूनी तरीके से जलाए गए शवों के पूरे डॉक्यूमेंट्री सबूत, ऑफिशियल रिकॉर्ड, कोर्ट के फैसले और ऑथेंटिकेटेड डेटा पेश करें, नहीं तो हम अगला कदम उठाएंगे। अगर वे डेटा को ऑथेंटिकेट करते हैं तो मैं सबके सामने माफी मांगूंगा।"

उन्होंने आगे कहा, "सतलुज के मेकर्स विवादित दावों को स्थापित इतिहास के तौर पर पेश करते हुए "क्रिएटिव फ्रीडम" के बहाने के पीछे नहीं छिप सकते। पंजाब का दर्दनाक अतीत कोई स्क्रिप्ट नहीं है जिसे किसी कहानी के हिसाब से चुनकर एडिट किया जाए। पंजाब के सबसे काले चैप्टर को चुनिंदा तरीके से दिखाने के लिए, आपको पंजाब के लोगों को जवाब भी देना होगा। आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए बेगुनाह हिंदुओं, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों, मजदूरों और आम नागरिकों के नरसंहार को उतनी ही तेजी से क्यों नहीं दिखाया जाता? पंजाब पुलिस के जवानों, सुरक्षा बलों और आतंकवाद से लड़ने वाले अनगिनत बहादुर नागरिकों के बड़े बलिदान को कम क्यों दिखाया गया? आतंकवादी हिंसा से तबाह हुए हजारों परिवारों को कहानी से लगभग गायब क्यों कर दिया गया? इतिहास के एक पहलू को क्यों बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया जबकि हजारों दूसरे पीड़ितों की तकलीफों को किनारे कर दिया गया?

अमिताभ बच्चन बने पॉलिसीबाजार के ब्रांड एंबेसडर

ये किसी को नहीं पता कि कौन सी बीमारी कब हो जाए ऐसे में जरूरी है कि आप जागरुक रहें और अपने व अपने परिवार के लिए हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस जरूर लें। लेकिन भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस को तब तक टालते रहते हैं, जब तक कोई बड़ी बीमारी, दुर्घटना या आर्थिक संकट सामने नहीं आ जाता। इसी सोच को बदलने के लिए पॉलिसीबाजार ने महानायक अमिताभ बच्चन के साथ मिलकर देश का अब तक का सबसे बड़ा इंश्योरेंस जागरूकता अभियान शुरू किया है। 'परिवार सबसे पहले' थीम पर आधारित इस अभियान का उद्देश्य लोगों को समय रहते बीमा का महत्व समझाना और हर भारतीय परिवार तक आर्थिक सुरक्षा का संदेश पहुंचाना है।

'भारत के कहने पर पाक नहीं आए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति', बोले अब्दुल बासित, पीएम मोदी की जमकर तारीफ

(जीएनएस)।

भारत में पाकिस्तान के राजदूत रहे अब्दुल बासित ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की. पाकिस्तान में एक टीवी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत के कहने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का दौरा टाल दिया था. बासित ने कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की शख्सियत को दिलचस्प बताया है.

अब्दुल बासित ने टीवी कार्यक्रम के दौरान कहा कि इसमें कोई शक की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी की जो शख्सियत है वो काफी दिलचस्प है और खासकर जब वो विदेश दौरा करते हैं तो काफी तैयारियां की जाती हैं. उन्होंने आगे कहा कि इंडोनेशिया का जहां तक ताल्लुक है, तो पारंपरिक तौर पर भारत और इंडोनेशिया के अच्छे रिश्ते रहे हैं. ये कोई आज की बात भी नहीं है बल्कि जबसे भारत और इंडोनेशिया वजूद में आए हैं तब से दोनों के रिश्ते जबरदस्त रहे हैं.

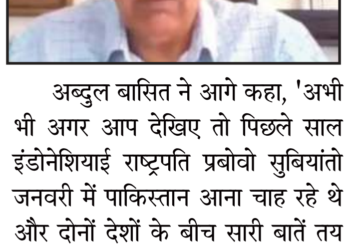

अब्दुल बासित ने आगे कहा, 'अभी भी अगर आप देखिए तो पिछले साल इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो जनवरी में पाकिस्तान आना चाह रहे थे और दोनों देशों के बीच सारी बातें तय हो चुकी थीं कि वो भारत भी जाएंगे और पाकिस्तान की भी यात्रा करेंगे लेकिन भारत ने इस पर एतराज कर दिया. भारत ने कहा कि आप क्यों भारत के साथ पाकिस्तान को जोड़ रहे हैं.'

बासित ने कहा, 'भारत ने उनसे (प्रबोवो सुबियांतो) से कहा कि भारत तो किसी और लीग में है और पाकिस्तान तो खाते में भी नहीं है तो आप भारत से पाकिस्तान मत जाइये. इसके बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं आए.'

अब्दुल बासित ने कार्यक्रम के दौरान कहा, 'इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भी अजीब शख्सियत के मालिक हैं. उन्होंने मोदी से कहा, 'मैंने ख्वाब देखा है कि मैं हिंदू बन गया हूं'. भारत और इंडोनेशिया के रक्षा संबंध को लेकर उन्होंने कहा, 'इंडोनेशिया अपने रक्षा संबंध भारत से बढ़ाना चाहता है और उसने ब्रह्मोस मिसाइल में गहरी दिलचस्पी दिखाई है.

देशभर के वृक्ष मित्रों के साथ संवाद में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया हरित भारत का संदेश

(जीएनएस)।

नई दिल्ली के पूसा परिसर में आयोजित 'पर्यावरण संरक्षण संकल्प कार्यक्रम और वृक्ष मित्र संवाद' में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर से जुड़े लगभग 17 हजार वृक्ष मित्रों के बीच पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का बड़ा संकल्प रखा। कार्यक्रम में पद्म भूषण पर्यावरणविद् श्री अनिल जोशी, प्रख्यात चिकित्सक व समाजसेवी डॉ. अनूप हजेला, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट और देश के विभिन्न राज्यों से आए सैकड़ों वृक्ष मित्र प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए जबकि हजारों साथी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। सभी ने मिलकर पेड़, पानी, मिट्टी, ऊर्जा बचत और प्लास्टिक मुक्त जीवन को जनभागीदारी से जोड़कर धरती को बचाने का साझा संदेश दिया।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वृक्ष मित्रों से मिले सुझावों और संवाद के आधार पर पर्यावरण

संरक्षण को ठोस जनआंदोलन का रूप देने के लिए साफझसुथरी रूपरेखा सामने रखी।

उन्होंने निर्णय लिया कि हर परिवार जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, बच्चों के जन्म, माताझपिता की पुण्य स्मृति जैसे हर अवसर पर पेड़ लगाकर इन्हें 'वृक्ष पर्व' में बदलेगा, ताकि धीरेझधीरे यह परंपरा घरझघर की आदत बन जाए। हर वृक्ष मित्र साल में कम से कम एक पेड़ लगाएगा और कम से कम पाँच नए लोगों को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प लेगा, जिसकी सार्वजनिक घोषणा सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट के माध्यम से की जाएगी ताकि 12 अगस्त की हरियाली अमावस्या तक एक मजबूत नेटवर्क तैयार हो सके। चौहान ने राष्ट्रीय, राज्य, ज़िला, ब्लॉक और गाँव स्तर पर 'वृक्ष मित्र परिवार' की समितियाँ बनाकर पूरे अभियान को संगठित ढाँचे में चलाने, इस संरचना का विधिवत रजिस्ट्रेशन कराने और पंचायतों व शहरी निकायों में वृक्षारोपण के लिए निश्चित स्थल चिन्हित करने की बात रखी।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित धमकी वाले सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मामला दर्ज

मलप्पुरम (केरल), 12 जुलाई (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोशल मीडिया पर कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने वाला एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने वाले एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि मल्लपुरम साइबर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। मल्लपुरम साइबर पुलिस थाने के अधिकारियों के अनुसार, यह वीडियो नियमित साइबर पेट्रोलिंग के दौरान सामने आया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पोस्ट में प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्द और जान से मारने की धमकी शामिल थी।

मेरठ बना 'स्टार्टअप सिटी', योगी सरकार की योजनाओं से बदली युवाओं और महिलाओं की तकदीर

मेरठ अब रोजगार मांगने वालों का नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमियों का शहर बनता जा रहा है. उत्तर प्रदेश सरकार की स्वरोजगार और स्टार्टअप योजनाएं इस सकारात्मक बदलाव में अहम भूमिका निभा रही हैं. 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना' और 'स्टैंड-अप इंडिया' जैसी योजनाओं का उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है.

राजकुमार की फैक्ट्री में आठ महिलाएं और तीन पुरुष नियमित रूप से कार्यरत हैं, जबकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 50 लोगों को रोजगार मिल रहा है.

उत्तर प्रदेश सरकार की स्वरोजगार और स्टार्टअप आधारित योजनाएं अब मेरठ में जमीनी स्तर पर असर दिखाने लगी हैं. मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना और स्टैंड-अप इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से युवा और महिला उद्यमी न केवल अपना कारोबार स्थापित कर रहे हैं, बल्कि दूसरे लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर तैयार कर रहे हैं.

मेरठ में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां सरकारी सहायता से छोटे स्तर पर शुरू हुआ कारोबार आज सफल उद्योग का रूप ले चुका है. इनमें मोमोज फैक्ट्री संचालित करने वाले युवा उद्यमी राजकुमार ठाकुर और हैंडीक्राफ्ट उद्योग चलाने वाली महिला उद्यमी ममता गर्ग प्रमुख उदाहरण हैं.

मेरठ के युवा उद्यमी राजकुमार ठाकुर कभी निजी कंपनी में नौकरी करते थे. नौकरी के दौरान ही उनके मन में अपना व्यवसाय शुरू करने का विचार आया. उन्होंने तय किया कि लोगों को ताजा और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जाएं. करीब चार-पांच वर्ष पहले उन्होंने मात्र 10 हजार रुपये की पूंजी से मोमोज का छोटा कारोबार शुरू किया.

शुरूआत में राजकुमार और उनकी पत्नी अपने हाथों से मोमोज तैयार करते थे और एक छोटे स्टॉल पर बेचते थे. ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ती गई. स्वाद और गुणवत्ता के कारण स्थानीय रेस्टोरेंट और फूड आउटलेट्स से भी ऑर्डर मिलने लगे. लेकिन बढ़ती मांग के सामने हाथों से उत्पादन करना संभव नहीं रह गया.

इसी दौरान उन्हें मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना की जानकारी मिली. उन्होंने योजना के तहत आवेदन किया और 5 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ. इस धनराशि से उन्होंने आधुनिक मोमोज निर्माण मशीन आयात की. मशीन लगने के बाद उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ गई और कारोबार तेजी से विस्तार करने लगा.

आज उनकी फैक्ट्री में प्रतिदिन छह से सात हजार मोमोज तैयार किए जाते हैं. उनकी कंपनी ग्राहकों को 29 प्रकार के मोमोज उपलब्ध कराती है, जबकि फैक्ट्री में छह प्रमुख वैरायटी बड़े स्तर पर तैयार कर विभिन्न दुकानों और रेस्टोरेंट तक सप्लाई की जाती हैं.

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे व हरदोई-लखनऊ NH का लोकार्पण कल; बदली रहेगी ट्रफिक व्यवस्था, इन रास्तों पर रहेगा डायवर्जन

(जीएनएस)।

लखनऊ : राजधानी में सोमवार को लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे व हरदोई-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग का लोकार्पण और इंजीनियरिंग कॉलेज फ्लाईओवर का शिलान्यास सोमवार को किया जाएगा. कार्यक्रम शाम 4 बजे से सरोजनीनगर स्थित सैनिक स्कूल में आयोजित होगा. कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे. पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, कार्यक्रम को लेकर लखनऊ ट्रैफिक पुलिस ने दोपहर 1 बजे से शहर में विशेष ट्रैफिक डायवर्जन की घोषणा की है.

इन रास्तों पर रहेगा डायवर्जन

लखनऊ ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी किए गए डायवर्जन के तहत जुनाबगंज तिराहे से दरोगाखेड़ा की ओर भारी और व्यावसायिक वाहन नहीं जा सकेंगे. इन्हें सिसेंडी तिराहे के रास्ते भेजा जाएगा. बंथरा बाजार से दरोगाखेड़ा जाने वाले बड़े वाहनों को बंथरा थाने के सामने से बिजनौर

चौराहे की ओर मोड़ा जाएगा.

दरोगाखेड़ा से स्कूटर इंडिया, स्कूटर इंडिया से गौरी बाजार और गौरी बाजार से कार्यक्रम स्थल की ओर भी व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा. इन वाहनों के लिए किसान पथ, बिजनौर थाना और नहर तिराहे जैसे वैकल्पिक रास्ते तय किए गए हैं.

सीतापुर, हरदोई, सुल्तानपुर, फैजाबाद और रायबरेली की ओर से आने वाले भारी वाहन भी किसान पथ से सीधे कानपुर रोड पर नहीं जा सकेंगे. उन्हें बिजनौर अंडरपास, सिसेंडी मोड़ और जुनाबगंज तिराहे के रास्ते कानपुर की ओर भेजा जाएगा. वहीं नादरगंज तिराहे से सैनिक स्कूल की ओर भी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी और उन्हें अमौसी रेलवे स्टेशन वाले मार्ग से निकाला जाएगा. ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर बहुत जरूरी काम न हो तो कार्यक्रम के समय इन मार्गों पर आने से बचें. यदि इस इलाके से गुजरना जरूरी हो तो घर से निकलने से पहले वैकल्पिक मार्ग की जानकारी जरूर ले लें, ताकि जाम में फंसने से बचा जा सके.

इन वाहनों के लिए विशेष व्यवस्था

एम्बुलेंस, शव वाहन, फायर ब्रिगेड और स्कूली वाहनों को जरूरत पड़ने पर प्रतिबंधित मार्गों से भी निकाला जाएगा. किसी भी तरह की परेशानी या ट्रैफिक संबंधी जानकारी के लिए लोग ट्रैफिक कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं.

मुंबई के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दिनेश प्रताप सिंह को लखनऊ में मिला राष्ट्रीय सम्मान

(जीएनएस)।

मुंबई, 12 जुलाई। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के पूर्व सदस्य, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और मुंबई के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दिनेश प्रताप सिंह को लखनऊ में कृष्ण प्रताप सिंह स्मृति राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया है।

लखनऊ के गोमतीनगर स्थित सी.एम.एस. सभागार में आयोजित भव्य समारोह में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुँवर मानवेंद्र सिंह द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। दिनेश प्रताप सिंह को यह सम्मान भारतीय संस्कृति और लोक परम्परा के क्षेत्र में साहित्य सृजन के माध्यम से उनके विशिष्ट योगदान के लिए दिया गया है। इस अवसर पर दिनेश प्रताप सिंह के साथ ही समाजसेवा, चिकित्सा, जल एवं पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, साहित्य, कला इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करने वाली विभूतियों को भी सम्मानित

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिंह मुंबई के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दिनेश प्रताप सिंह को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करते हुए।

किया गया। समारोह की संयोजिका लोकसाहित्य की विदुषी पद्मश्री डा. विद्याविन्दु सिंह ने अपने परिचयात्मक सम्बोधन में लोक साहित्य, लोक परंपरा, लोक जीवन और लोकोत्सव पर विशेष योगदान देने के लिए दिनेश प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में "पुण्य स्मरण धर्म" पर अपने व्याख्यान में हिंदी के विद्वान लेखक एवं सम्मान समारोह के अध्यक्ष प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित ने कहा कि अपने पितरों का पुण्य स्मरण करना उनके प्रति अपनी आस्था और भक्ति प्रकट करना है। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के निदेशक सर्वेश कुमार सिंह ने साहित्य सृजन और अनुवाद के जरिये भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने में योगदान के लिए दिनेश प्रताप सिंह के कार्यों का उल्लेख करते हुए उनकी प्रशंसा की। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित इस सम्मान समारोह में विधान परिषद के सदस्य पवन सिंह चौहान, सुशांत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जयशंकर मिश्र, पर्यटन मंत्रालय के सलाहकार जयप्रकाश सिंह, उद्यमी बालेन्द्र प्रताप सिंह, अ. भा. साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री पवनपुत्र बादल, साहित्यकार विजय त्रिपाठी, प्रो.बलजीत श्रीवास्तव, गायत्री देवी, रेमीरानी सिंह सहित अनेक साहित्यकार, पत्रकार, कलाप्रेमी और गणमान्य उपस्थित थे।

टी-20 लीग; लखनऊ के इकाना में 14 अगस्त को उद्घाटन मैच, कानपुर के ग्रीन पार्क में छह सितंबर को खेला जाएगा फाइनल

(जीएनएस)।

कानपुर : यूपी टी-20 सीजन-4 को लेकर रविवार को कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया. टी-20 लीग दो शहरों में आयोजित किया जाएगा. उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता, यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन डा. संजय कपूर व यूपी गवर्निंग काउंसिल के सीनियर मेंबर संजीव कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों ने इस मामले पर संयुक्त रूप से वार्ता की.

यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन डा.संजय कपूर ने बताया कि इस लीग को दो शहरों में आयोजित किया जाएगा. 14 अगस्त को लीग का धमाकेदार आगाज लखनऊ स्थित इकाना स्टेडियम से होगा, जबकि छह सितंबर को समापन कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम से होगा.

उन्होंने बताया कि लीग के दौरान कुल 34 मैच खेले जाएंगे, जिनमें से शुरूआती 22 मैच (13 दिनों के अंदर) लखनऊ स्थित इकाना स्टेडियम में होंगे. जबकि बाकी

प्लेऑफ के 12 मैच (11 दिनों में) कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में कराए जाएंगे. इसके लिए यूपीसीए की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं.

चेयरमैन डा. संजय कपूर ने बताया कि लीग के दौरान खिलाड़ियों पर पुरस्कार के तौर पर तीन करोड़ रुपये की बारिश होगी. जिसमें विजेता टीम को एक करोड़ रुपये की राशि दी जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी. इसी तरह अन्य शीर्ष टीमों को भी पुरस्कार राशि सौंपी जाएगी. उन्होंने बताया कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना को यूपी टी-20 लीग का ब्रांड एम्बेसडर चुना गया है.

उन्होंने बताया कि टी-20 लीग के चौथे सीजन का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में आयोजित होगा, जिसमें छह फ्रेंचाइजी के 45 खिलाड़ियों को स्लॉट उपलब्ध होंगे. यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन से "हर बाउंड्री एक नई हरियाली" अभियान की भी शुरूआत होगी, जिसमें हर चौके-छक्के पर एक पौधा रोपित किया जाएगा. वहीं, जितने चौके-छक्के लगेंगे, उतने पौधे सूबे के विभिन्न जिलों में लगाए जाएंगे.

यूपी टी-20 लीग के गवर्निंग काउंसिल के सीनियर मेंबर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि इस लीग में सभी 75 जिलों से क्रिकेट प्रेमियों को हिस्सा लेने का मौका मिलेगा. लीग के दौरान प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें लाखों रुपये के पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा. उन्होंने बताया कि सस्ती दरों पर क्रिकेट प्रेमियों को मैच देखने का मौका मिलेगा. लीग के दौरान कई सेलिब्रिटी भी शामिल होंगे.

सभी लोग पौधे लगाएं, वन नहीं होंगे तो नदियों में जल भी नहीं रहेगा : मुख्यमंत्री

(जीएनएस)।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वनों से ही नदियां सदानीरा रहेंगी। वन नहीं होंगे तो नदियों में जल भी नहीं रहेगा। एक पौधे लगाना सभी की जिम्मेदारी है। मां और धरती मां, दोनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए इससे बेहतर कोई और माध्यम नहीं हो सकता है।

रविवार को ताल रिंग रोड पर पौधरोपण करने के बाद मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की कि आने वाली पीढ़ी को बेहतर कल देने के लिए पौधे जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर पांच करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए थे। 12 जुलाई से शुरू हुए पौधरोपण अभियान में एक दिन में प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में बड़े प्रोजेक्ट के बावजूद वन क्षेत्र सर्वाधिक बढ़ा है। सेटेलाइट मैपिंग में भी इसको साफ देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति से खिलवाड़ का खामियाजा वैश्विक मानवता को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिए नीरी संस्था पांच साल तक एक डॉलर प्रति पेड़ दे रही है। गोरखपुर के भी कई किसान इसका लाभ ले रहे हैं। रामगढ़ताल रिंग रोड के किनारे पौधरोपण करने के बाद मुख्यमंत्री ने ताल की खूबसूरती को निहारा और सेल्फी भी ली।

इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ल, मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, नीरज शाही आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा; ऑपरेशन साइ-वज्र के तहत 9 आरोपी गिरफ्तार, म्यूल अकाउंट से निकालते थे रकम

इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा के मुताबिक, क्राइम ब्रांच, साइबर टीम और मड़ियांव पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

(जीएनएस)।

लखनऊ : लखनऊ पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. डीसीपी नॉर्थ का दावा है कि यह गिरोह देशभर में साइबर ठगी से आने वाले पैसे को पहले फर्जी बैंक खातों यानी म्यूल अकाउंट में मंगवाता था, फिर उसे क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेशी, खासतौर पर चीनी साइबर अपराधियों के डिजिटल वॉलेट में भेजा जाता था. इस पूरे काम के बदले गिरोह के सदस्य हर ट्रांजेक्शन पर कमीशन लेते थे. यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस के "ऑपरेशन साइ-वज्र" के तहत की गई है.

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 एटीएम, क्रेडिट कार्ड, तीन चेकबुक, दो पासबुक, एक टैबलेट, एक आईपैड, 53,100 रुपये कैश, एक कार और एक बाइक बरामद की है. मामले में मड़ियांव थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है.

इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा के मुताबिक, डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत एनसीआरपी और जेएमआईएस पोर्टल पर मिले संदिग्ध म्यूल अकाउंट्स का सत्यापन किया जा रहा था. इसी दौरान क्राइम ब्रांच की टीम ने केशव नगर मोड़ के पास एक संदिग्ध युवक मो. शाहरूख को हिरासत में लिया.

उन्होंने बताया कि पूछताछ में उसने अपना बैंक खाता साइबर ठगी में इस्तेमाल होने की बात कबूल की और अपने अन्य साथियों के आईआईएम रोड इलाके में मौजूद होने की जानकारी दी. इसके बाद क्राइम ब्रांच, साइबर टीम और मड़ियांव पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मो. शाहरूख, महफूज खान, सैय्यद अब्दुल्ला, मो. बसर, मो. रुबान, शाबिर, सिकंदर, फरहान और तुफैल शामिल हैं. इनमें कोई फर्नीचर का काम करता था, कोई डिलीवरी बॉय है, कोई छात्र है तो कोई प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था.

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य आर्थिक रूप से कमजोर और भोले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाते थे. इसके बाद खाताधारकों से एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक, मोबाइल नंबर, इंटरनेट बैंकिंग आईडी, पासवर्ड और ओटीपी जैसी जरूरी जानकारी लेकर पूरा नियंत्रण अपने हाथ में ले लेता था.

उन्होंने बताया कि इन खातों में देशभर में होने वाली साइबर ठगी की रकम जमा होती थी. इसके बाद आरोपी एटीएम से नकदी निकाल लेते थे या रकम को दूसरे खातों में भेज देते थे. जांच में यह भी सामने आया कि बड़ी रकम को बाद में विदेशी साइबर अपराधियों के डिजिटल वॉलेट में ट्रांसफर किया जाता था.

पुलिस के अनुसार, पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों से पता चला है कि गिरोह के सदस्य टेलीग्राम और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए विदेशी साइबर अपराधियों के लगातार संपर्क में रहते थे. बैंक खातों, ट्रांजेक्शन और निकासी से जुड़ी जानकारी भी इन्हीं माध्यमों से साझा की जाती थी.

इस पूरे नेटवर्क में काम करने वाले हर व्यक्ति को उसकी भूमिका के हिसाब से कमीशन मिलता था. आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे आजम और अब्दुल नाम के दो लोगों के जरिए इस नेटवर्क से जुड़े थे. इन्हीं के निर्देश पर अलग-अलग जिलों में बैंक खाते खुलवाए जाते थे और बाद में साइबर ठगी का पैसा निकालकर या क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेश भेजा जाता था.

पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन, टैबलेट, बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट, क्रिप्टो ट्रांजेक्शन, टेलीग्राम चैट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच करा रही है. साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों, विदेशी साइबर अपराधियों से इनके संबंध, धनराशि के अंतिम लाभार्थियों और पूरे अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जांच जारी है.

लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक, इंटरनेट बैंकिंग आईडी, पासवर्ड या ओटीपी कभी भी न दें. किसी लालच में आकर अपने बैंक खाते का इस्तेमाल किसी दूसरे को न करने दें और संदिग्ध क्रिप्टो लेन-देन से बचें.

अगर किसी तरह की साइबर ठगी हो जाए तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं. इस सफल कार्रवाई पर डीसीपी उत्तरी ने गिरफ्तारी करने वाली संयुक्त पुलिस टीम को 10 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है.

अतीक अहमद गैंग की लखनऊ, गाजियाबाद व नोएडा की प्रापर्टी जब्त होगी, अपराध से अर्जित संपत्तियां टटोली जा रहीं

(जीएनएस)।

प्रयागराज। आपरेशन माफिया के तहत एक बार फिर कमिश्नरेट पुलिस ने माफिया, उसके गुर्गे और करीबियों को आर्थिक चोट पहुंचाने की कवायद शुरू कर दी है। अपराध से अर्जित चल और अचल संपत्तियों को गैंग्सटर एक्ट में कुर्क करने की तैयारी तेज की गई है। इसमें अतीक गैंग की लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा और मुंबई स्थित करोड़ों रुपये की प्रापर्टी शामिल है। उन संपत्तियों का संबंधित विकास प्राधिकरण, राजस्व विभाग, नगर निगम से सत्यापन करवाया जा रहा है।

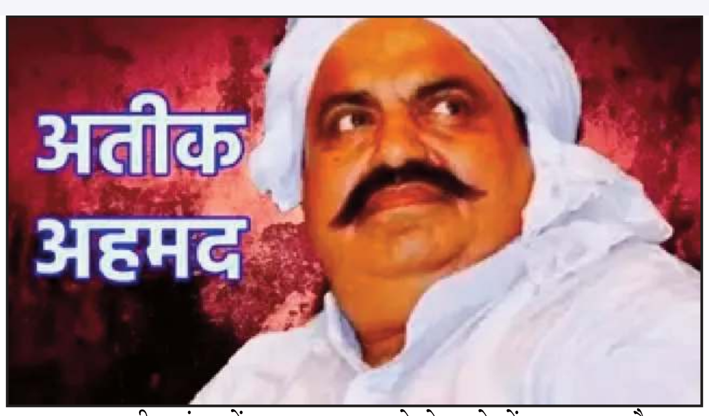

पुलिस को अतीक से जुड़े कई की प्रापर्टी का पता चला है

पुलिस का कहना है कि गैंग्सटर एक्ट के मुकदमे की विवेचना के दौरान माफिया अतीक से जुड़े कई लोगों की प्रापर्टी के बारे में पता चला है। छानबीन में यह तथ्य भी प्रकाश में आए हैं कि कुछ गुर्गों ने माफिया की बेनामी संपत्ति को बेचने के बाद अपने और करीबियों के नाम से दूसरे शहरों में फ्लैट व मकान खरीदे हैं। ताकि वह कार्रवाई की जद में न आ सके। हालांकि मुकदमे की विवेचना जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नई जानकारी सामने आ रही है।

शुरूआती जांच में लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद और मुंबई के विभिन्न स्थानों पर अपराध से अर्जित प्रापर्टी हाल के वर्षों में क्रय किए जाने के बारे में पता चला है। अब पुलिस जिन व्यक्तियों के नाम पर प्रापर्टी खरीदी गई है उनके आय के स्रोत, इनकम टैक्स रिटर्न और दूसरे अभिलेखों की भी पड़ताल कर रही है। अपराध से अर्जित संपत्ति की पुष्टि होने पर पत्रावली तैयार करके गैंग्सटर एक्ट में जब्त किया जाएगा।

लखनऊ-नोएडा की संपत्ति हो चुकी है कुर्क

दो साल पहले माफिया अतीक की लखनऊ और नोएडा स्थित संपत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई की गई थी। एक अधिकारी का कहना है कि माफिया अतीक गैंग के अलावा दिलीप मिश्रा समेत दूसरे माफिया की प्रयागराज से बाहर की संपत्ति के बारे में पता लगाते हुए चिह्नित की जा रही है।

हाईवे पर खतरों के खिलाड़ी, तीन पीढ़ियों को एक बाइक पर बैठाकर भर रहे फरार्टा

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी का सरोजनी नगर क्षेत्र रविवार को एक युवक की 'बहादुरी' से 'धन्य' हो गया। दोपहर में यह जांबाज एक बाइक पर पांच लोगों को बैठाकर जब लखनऊ कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंडस्ट्रियल एरिया सरोजनी नगर के पास से निकला तो लोग देखते ही रह गये। बाइक को कार की तरह प्रयोग कर रहे इस युवक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

कानपुर से लखनऊ आ रहे युवक की बाइक पर तीन पीढ़ियां सवार थीं। सबसे पीछे बुजुर्ग महिला बैठी थीं, संभवतः मां होंगी। बीच में एक महिला थी, जिसके हाथ में हेलमेट फंसा था। इसके बाद बहादुर बाइक चालक और आगे पेट्रोल टैंक पर तीसरी पीढ़ी यानी दो बच्चे बैठे थे।

एक ही बाइक पर पांच लोगों की सवारी सड़क सुरक्षा नियमों की खुली अनदेखी करती नजर आई। चालक के साथ दो छोटे बच्चों और दो महिलाओं के बैठने से वाहन पूरी तरह ओवरलोड से भी ओवर था। चालक के साथ ही किसी ने भी हेलमेट नहीं पहन रखा था।

लखनऊ-कानपुर हाईवे पर जब लोगों ने यह बाइक देखी तो सहसा उनके मुंह से निकल पड़ा कि ऐसी लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है।

पुलिस भी बेपरवाह

अनुमान लगाया गया कि यह लोग उन्नाव या फिर कानपुर से आ रहे थे। अब सवाल यह उठता है कि इस दूरी में कितने थाने पड़े होंगे, लेकिन हमारी सतर्क पुलिस ने इनको रोकना तो दूर टोकना भी उचित नहीं समझा।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

हो ऐसी व्यवस्था कि किसी भी हालत में मौजूदा ऑनलाइन सहूलियत का उपयोग आतंक में न हो

आतंकवादी पिछले कुछ वर्षों से अपनी नापाक साजिशों को अंजाम देने के लिए पारंपरिक तरीके की बजाय आधुनिक तकनीक का सहारा ले रहे हैं। खासकर इंटरनेट के जरिए विभिन्न तरह की मदद हासिल करना उनके लिए आसान और सुलभ तरीका बन गया है। वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले और गोरखनाथ मंदिर में हुई 2022 की घटना का हवाला देते हुए गत मंगलवार को कहा कि ई-कामर्स और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। अपने विश्लेषण में एफएटीएफ ने आतंकवाद को सरकार द्वारा प्रायोजित किए जाने को भी चिह्नित करते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के विभिन्न स्त्रोतों और इस रिपोर्ट में प्रतिनिधिमंडलों के विचार से संकेत मिलता है। टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली इस वैश्विक संस्था एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग पहलू की ओर ध्यान खिंचा है।

इसमें बताया गया है कि वैसे टेक्नोलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति की जरूरत हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर अमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों का लेनदेन भी ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। यही नहीं आतंकी बम बनाने की विधि भी इंटरनेट से सीख रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में हुई कई आतंकी हमलों की जांच में इसके प्रमाण भी मिले हैं। इससे साफ है कि ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किस कदर खतरनाक रूप ले चुका है। एफएटीएफ के अनुसार पुलवामा हमले में एल्युमिनियम पाउडर का इस्तेमाल विस्फोट के प्रभाव को बढ़ाने के लिए किया गया था। जैश-एमुहम्मद ने फरवरी, 2019 में सुरक्षा बलों के काफिले पर आत्मघाती हमला किया था। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हुए विस्फोट में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे। एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है।

अब वे अपने को इंटरनेट की दुनिया की ओर ले जा रहे हैं। एफएटीएफ की इस अपडेट रिपोर्ट ने राज्य प्रायोजित आतंकवाद के दावे पर भी परोक्ष रूप से मुहर लगाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी अपने हिंसक अभियानों के लिए उपकरण, हथियार, रसायन और यहां तक कि थ्री डी प्रिंटिंग सामग्री की खरीददारी भी ऑनलाइन सेवाओं के जरिए कर रहे हैं।

यह बात सही है कि ऑनलाइन खरीददारी की व्यवस्था से लोगों को काफी सहूलियत हुई है, लेकिन इस सुविधा का उपयोग खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए न हो, इस पर सरकार को कड़ी नजर रखनी है और ऐसे नियम बनाने होंगे जिससे यह ऑनलाइन साइट्स की इस सुविधा का दुरुपयोग न कर सकें और आतंकवाद फैलाने में मदद न कर पाएं। साथ ही ऑनलाइन सेवा प्रदान करने वाले मंचों की भी जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की सामग्री की नियमित निगरानी करें, ताकि इसके दुरुपयोग पर रोक सुनिश्चित हो सके। एफएटीएफ का यह खुलासा भी अहम है कि आतंकवादी संगठनों को कुछ देशों की सरकारों से वित्तीय और अन्य मदद मिलती रही है, जिसमें साजो-सामान और सामग्री संबंधित सहायता एवं प्रशिक्षण भी शामिल है। भारत समेत कई देश आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुट प्रयासों पर बल दे रहे हैं, लेकिन कुछ चुनिंदा देशों द्वारा आतंकियों के वित्त-पोषण से इस पर पलीता लग रहा है। आतंकवाद की इन चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास करने होंगे। इससे पहले भी हमने देखा कि किस तरह पाक प्रायोजित आतंकी घटनाएं हमारे खिलाफ की जा रही है।

पीएम मोदी के खास उपहारः इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के नेताओं को क्या दिया तोहफा? देखें सूची

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न देशों के नेताओं को भारत की समृद्ध संस्कृति, हस्तशिल्प, संगीत, खेल और पारंपरिक उत्पादों से जुड़े विशेष उपहार भेंट किए। इन उपहारों के जरिए भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत, शिल्पकला और कारीगरों की उत्कृष्ट कला को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया गया।

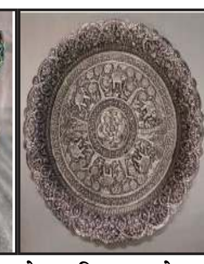

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न देशों के राष्ट्रप्रमुखों और नेताओं को भारत की समृद्ध संस्कृति, कला और धरोहर से जुड़े कई खूबसूरत और अनूठे उपहार भेंट किए हैं। इन उपहारों में भारत के अलग-अलग राज्यों की झलक, हस्तशिल्प और हमारी परंपराएं साफ दिखाई देती हैं। आइए जानते हैं कि पीएम मोदी ने किस नेता को क्या खास तोहफा दिया

इंडोनेशिया के नेताओं को उपहार

उत्तराखंड की ऐपण कला – शिव पेंटिंग

मनोहारी गोल्ड टी – असम की दुर्लभ चाय

कश्मीरी पेपर-मैशी बाउल

नक्काशीदार चांदी की सजावटी प्लेट

ओडिशा की पारंपरिक इकत सिल्क

ऑस्ट्रेलियाई पीएम को तोहफा

इंडियन प्रीमियम कॉफी बॉक्स

'कॉलोनियल कजन्स' का विनाइल रिकॉर्ड

जनजातीय ढोकरा बोट स्कल्पचर – नाव की मूर्ति

न्यूजीलैंड के पीएम को उपहार

उत्तराखंडी टोपी

भारतीय महिला हॉकी टीम की हस्ताक्षरित हॉकी स्टिक

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को मिले उपहार

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति को भारत की कला, संस्कृति और स्वाद से जुड़े चार बेहद खास तोहफे दिए:

उत्तराखंड की ऐपण कला (शिव पेंटिंग): ऐपण उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र की एक पारंपरिक लोक कला है। इसे मुख्य रूप से महिलाएं त्योहारों के मौके पर गेरू (लाल मिट्टी) के बेस पर चावल के पेस्ट (बिस्वार) से बनाती हैं। भगवान शिव को समर्पित इस पेंटिंग में पवित्र ज्यामितीय आकृतियां बनी हैं, जो ब्रह्मांड की ऊर्जा को दशार्ती हैं। यह तोहफा भारत और इंडोनेशिया के साझा सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है।

मनोहारी गोल्ड टी (असम की दुर्लभ चाय): यह असम की सबसे बेहतरीन और चुनिंदा चाय में से एक है। इसे जून के महीने में सूरज की रोशनी में प्राकृतिक रूप से सुखाकर तैयार किया जाता है। इसके अनोखे सुनहरे रंग और लाजवाब स्वाद के कारण यह दुनिया की सबसे दुर्लभ चाय मानी जाती है, क्योंकि यह रोजाना सिर्फ 25 ग्राम ही बनकर तैयार होती है।

कश्मीरी पेपर-मैशी बाउल (कटोरा): यह कश्मीर के प्रसिद्ध हस्तशिल्प का एक बेहतरीन नमूना है। इसे कागज की लुगदी से पूरी तरह हाथ से बनाया गया है और इस पर पारंपरिक 'नक्काशी' तकनीक से फूलों और पक्षियों के बेहद खूबसूरत चित्र उकेरे गए हैं। अंत में सोने की नक्काशी और चमकदार लाक से इसे सजाया गया है, जो शांति और प्रकृति के साथ तालमेल को दशार्ता है।

नक्काशीदार चांदी की सजावटी प्लेट (सिल्वर प्लेट): इस चांदी की प्लेट को 'रिपोसे' (फीस्रङ्ग४२२क्व) तकनीक यानी हाथ से ठोककर और उभारकर तैयार किया गया है। इसके बीच में कमल का फूल बना है और चारों तरफ हाथी, पेड़ और फूलों के बॉर्डर बने हैं। कमल शुद्धता का और हाथी ताकत व समृद्धि का प्रतीक है। चूंकि हाथी दोनों देशों के प्राकृतिक जुड़ाव को भी दिखाता है, इसलिए यह तोहफा भारत-इंडोनेशिया की दोस्ती को और मजबूत करता है।

इंडोनेशिया की संसद अध्यक्ष पुआन महारानी को उपहार

ओडिशा की पारंपरिक इकत सिल्क (ओडिशा इकत): प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया की संसद अध्यक्ष पुआन महारानी को ओडिशा की प्रसिद्ध 'इकत' (इंल्लॉं) हैंडलूम सिल्क भेंट की। यह कपड़ा अपनी खास 'टाई-एंड-डाई' (धागों को बांधकर रंगने की) तकनीक के लिए जाना जाता है। इसकी खासियत यह है कि कपड़े के दोनों तरफ एक जैसे ही जीवंत पैटर्न और डिजाइन दिखाई देते हैं। यह कपड़ा ओडिशा की शानदार बुनाई परंपरा का प्रतीक है।

इंडियन प्रीमियम कॉफी बॉक्सः इस बॉक्स में भारत के अलग-अलग कॉफी उत्पादक क्षेत्रों की सबसे बेहतरीन कॉफी की किस्में शामिल हैं। यह बॉक्स भारत के आधुनिक कॉफी उद्योग, पर्यावरण के अनुकूल खेती और भारतीय किसानों की कड़ी मेहनत को दशार्ता है।

'कॉलोनियल कजन्स' का विनाइल रिकॉर्डः यह उपहार संगीत के शौकीनों के लिए बेहद खास है। 1990 के दशक में मशहूर गायक हरिहरन और लेस्ली लुईस (कॉलोनियल कजन्स) ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और पश्चिमी पॉप-रॉक संगीत को मिलाकर एक नया फ्यूजन तैयार किया था। इस एल्बम के विनाइल एडिशन (ग्रामोफोन रिकॉर्ड) को देकर भारत ने संगीत के इस ऐतिहासिक पल को साझा किया।

जनजातीय ढोकरा बोट स्कल्पचर (नाव की मूर्ति): प्राचीन 'लॉस्ट-वैक्स' कास्टिंग तकनीक से बनी पीतल की यह मूर्ति एक पारंपरिक नाव को दिखाती है, जिसमें आदिवासी पुरुष और महिलाएं सवार हैं। यह मूर्ति एकता, सहयोग और मिलकर आगे बढ़ने का संदेश देती है। भारत-ऑस्ट्रेलिया के संदर्भ में, यह नाव दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक सुरक्षित व समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर चलने के सफर को दशार्ती है।

भाजपा का पंजाब मिशनः पीएम मोदी के दौरों से मिलेगी रफ्तार, 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी

(जीएनएस)।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में संगठन और जनाधार मजबूत करने की रणनीति तेज कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 जुलाई का प्रस्तावित दौरा इसी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि भाजपा इस बार राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

भाजपा पंजाब में संगठन को मजबूत करने में जुटी

वर्ष 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर शिरोमणि अकाली दल से तीन दशक पुराना गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने पंजाब में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान मजबूत करने पर फोकस बढ़ाया है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने सहयोगियों के साथ चुनाव लड़ा था, लेकिन प्रदर्शन सीमित रहा। पार्टी का मत प्रतिशत करीब छह से सात फीसदी के बीच रहा, जबकि आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया। इसके बाद से भाजपा लगातार अपना वोट बैंक बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने में जुटी है।

भाजपा ने बड़े नेताओं को अपने साथ जोड़ा

पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने कई बड़े नेताओं को अपने साथ जोड़ा है और बूथ स्तर तक संगठन विस्तार का अभियान चलाया है। पार्टी का विशेष फोकस शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दोआबा, माझा और मालवा पर है। अनुसूचित जाति, युवा, व्यापारी, किसान और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए अलग-अलग अभियान चलाए जा रहे हैं।

चण्डीगढ़-पंजाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पिछले पांच महीनों में दूसरा पंजाब दौरा होगा। इससे पहले वह एक फरवरी को जालंधर आए थे। इसी अवधि में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी पंजाब का दौरा कर चुके हैं। लगातार हो रहे इन दौरों को भाजपा के मिशन पंजाब का हिस्सा माना जा रहा है और इससे पार्टी की चुनावी सक्रियता बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने वोट प्रतिशत को सीटों में बदलने की है। इसके लिए प्रधानमंत्री की लोकप्रियता के साथ मजबूत स्थानीय नेतृत्व, प्रभावी उम्मीदवार, संगठन की मजबूती और क्षेत्रीय मुद्दों पर स्पष्ट रणनीति भी अहम होगी। भाजपा केंद्र सरकार की विकास योजनाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और निवेश को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है, जबकि विपक्ष कृषि, बेरोजगारी, नशे और कानून-व्यवस्था जैसे स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रख रहा है।

ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी का प्रस्तावित दौरा केवल जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन के उद्घाटन तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे भाजपा के मिशन पंजाब को नई गति देने और 117 सीटों पर चुनावी तैयारी का राजनीतिक संदेश भी माना जा रहा है। आने वाले महीनों में पार्टी की रणनीति और संभावित चुनावी गठबंधनों पर भी राजनीतिक नजरें टिकी रहेंगी।

'रोहित झूठा है, उसने धोखा दिया', कौन हैं फर्नाज शेट्टी? लगाए बेवफाई के आरोप

(जीएनएस)।

स्टार प्लस के हिट शो 'सैराब' के लीड एक्टर रोहित चंदेल पर नाबालिग के साथ अभद्र व्यवहार का आरोप लगा, वो इस वक्त पुलिस की गिरफ्त में हैं, उन्हें 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ़्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस' (POCSO) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है, हालांकि उनकी टीम की ओर से इस बारे में कोई भी बयान जारी नहीं हुआ है लेकिन सोशल मीडिया पर वो लगातार चर्चा में बने हुए हैं।

आपको बता दें कि उनके फैंस जहां रोहित चंदेल को बेगुनाह मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ बातें कर रहे हैं और कह रहे हैं कि अगर उसने गलत किया है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

फर्नाज शेट्टी ने लगाया था रोहित चंदेल पर बेवफाई का आरोप

आपको बता दें कि ये कोई पहली बार नहीं है, जब रोहित चंदेल विवादों में आए हैं, दो साल पहले उनकी एक्स गर्लफ्रेंड फर्नाज शेट्टी ने भी उन पर बेवफाई का आरोप लगाया था। मालूम हो कि टीवी की चुलबुली और खूबसूरत अदाकारा फर्नाज शेट्टी और रोहित चंदेल की पहली मुलाकात साल 2022 में 'काशीबाई बाजीराव बल्लाल' के सेट पर हुई थी।

फर्नाज शेट्टी का रोहित चंदेल से जल्दी ही हो गया था ब्रेकअप

दोनों में दोस्ती हुई और फिर दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे लेकिन इस इश्क की उम्र लंबी नहीं थी और दोनों का ब्रेकअप जल्दी ही हो गया था लेकिन दोनों का रिश्ता काफी खराब स्थिति में समाप्त हुआ था, दोनों के ब्रेकअप की काफी चर्चा हुई थी क्योंकि दोनों अपने प्यार की वजह से उन दिनों खासा लोकप्रिय थे।

रोहित की बातों पर भरोसा नहीं था, मम्मी-पापा से नहीं मिलवाया

'द टाइम्स ऑफ इंडिया' से बात करते हुए फर्नाज शेट्टी ने कहा था कि 'मैं पुरानी विचारधारा की हूं और 'वन मैन पर्सन' हूं, मुझे ऐसे लोग नहीं पसंद जो कि एक साथ कई लोगों से रिश्ता रखें, रोहित को मैंने रंगे हाथों किसी लड़की के साथ पकड़ा था, हालांकि उस वक्त उसने मुझसे माफी मांगी थी लेकिन मेरे मन में हमेशा भरोसे को लेकर प्रश्न था,उसने रिलेशनशिप में रहते हुए कभी भी मुझे अपने मम्मी-पापा या घरवालों से नहीं मिलवाया, मुझे इसकी बातों पर विश्वास कम होने लगा था और एक दिन मुझे लगा कि हम साथ नहीं चल सकते हैं इसलिए मैंने रिश्ता खत्म कर दिया और हम मार्च 2023 में अलग हो गए।'

रोहित चंदेल ने सभी आरोपों को किया था खारिज

हालांकि रोहित चंदेल ने इन आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया था, उन्होंने कहा था कि 'सारे आरोप बेबुनियाद और गलत है, हमारी सोच अलग थी इसलिए हम अलग हुए, मैंने किसी को धोखा नहीं दिया और ना ही मैंने उसके साथ बेवफाई की, अगर मैं रिलेशन को लेकर सीरयस नहीं होता तो मैं कभी उसे अपनी बहन की शादी में लेकर होमटाउन नहीं जाता, फिलहाल अब सब खत्म हो गया है इसलिए अब इस पर कुछ भी बोलना बेकार है।'

रील गर्लफ्रेंड मदिराक्षी मुंडले ने किया कमेंट करने से इंकार

खैर ये तो उनकी एक्स गर्लफ्रेंड के विचार हैं, जबकि उनकी 'सैराब' शो में गर्लफ्रेंड का रोल प्ले कर रहीं अभिनेत्री मदिराक्षी मुंडले ने कहा हैं कि 'मुझे भी रोहित के बारे में खबर मीडिया के जरिए मिली है लेकिन मैं इस बारे में ज्यादा कुछ जानती नहीं हूं और ना ही इस पर कमेंट कर सकती हूं, बिना दोनों पक्षों की बातें सुने इस तरह से किसी पर टिप्पणी करना सही नहीं है, कानून अपना काम कर रहा है, उसे करने दीजिए, उम्मीद करती हूं सच जल्दी सामने आएगा।'

कौन हैं फर्नाज शेट्टी?

फर्नाज शेट्टी, हिंदी और तेलुगू टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना चेहरा है। 16 सितंबर 1991 में महाराष्ट्र में जन्मी फर्नाज ने 'दिल की नजर से खूबसूरत' से अपना करियर स्टार्ट किया था। इसके बाद वो टीवी के कई लोकप्रिय शो जैसे बालिका वधू, एक वीर की अरदास, सूर्यपुत्र कर्ण, वारिस, लाल इश्क, काशीबाई बाजीराव बल्लाल , स्वराज में नजर आ चुकी हैं।

नरोत्तम मिश्रा का इखढ ने क्यों काटा टिकट? अब दतिया कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने किया खुलासा

(जीएनएस)।

मध्यप्रदेश के दतिया उपचुनाव ने अब पूरी तरह राजनीतिक मुकाबले का रूप ले लिया है। भारतीय जनता पार्टी में टिकट बदलने के बाद पैदा हुई हलचल और कांग्रेस की तरफ से राजघराने से आने वाले घनश्याम सिंह की एंट्री ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया है। करीब 18 साल बाद फिर चुनावी मैदान में उतरे घनश्याम सिंह अपनी जीत को लेकर पूरे भरोसे में दिख रहे हैं।

उन्होंने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में भाजपा के अंदरूनी हालात पर सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के पीछे बड़ा राजनीतिक कारण क्या है। घनश्याम सिंह ने कहा कि नरोत्तम मिश्रा के सीन से हटने के बाद यह लड़ाई बेहद आसान हो गई है।

नरोत्तम मिश्रा का टिकट क्यों कटा?

ळश्9 भारतवर्ष के मुताबिक घनश्याम सिंह का दावा है कि नरोत्तम मिश्रा का टिकट सिर्फ चुनावी रणनीति का फैसला नहीं था, बल्कि भाजपा की अंदरूनी राजनीति का नतीजा था। उन्होंने कहा कि नरोत्तम मिश्रा भाजपा के सबसे अनुभवी और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। अगर वे चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचते तो कैबिनेट में उनकी वापसी लगभग तय मानी जाती और आगे चलकर वे

मुख्यमंत्री पद के दावेदार भी बन सकते थे।

घनश्याम सिंह ने कहा,भोपाल में बैठे सीनियर नेताओं और खुद सीएम मोहन यादव को इस बात का डर सता रहा था कि अगर नरोत्तम मिश्रा उपचुनाव जीतकर वापस विधानसभा पहुंच गए, तो कैबिनेट मंत्री तो बनेंगे ही, साथ ही भविष्य में मुख्यमंत्री पद के लिए भी एक बड़े दावेदार के रूप में खड़े हो जाएंगे।

दतिया में अब शिवसेना की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे नरोत्तम मिश्रा? ऑफर का क्या होगा? कांग्रेस ने भी चला बड़ा कार्ड

दतिया में अब शिवसेना की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे नरोत्तम मिश्रा? ऑफर का क्या होगा? कांग्रेस ने भी चला बड़ा कार्ड

बीजेपी के दूसरे सीनियर लीडर्स कभी नहीं चाहते थे कि भोपाल की सत्ता में एक और ताकतवर हिस्सेदार आकर बैठ जाए। इसलिए रणनीति के तहत यह तय किया गया कि अगर वह पिछला चुनाव हार चुके हैं, तो उन्हें अब मुख्यधारा की राजनीति से नीचे ही रखा जाए।

राजनीति का यह कड़वा सच है कि जो नेता बहुत ज्यादा चतुर, सक्षम या योग्य होता है, पार्टी के भीतर ही सबसे पहले उसका रास्ता रोका जाता है और यही नरोत्तम मिश्रा के साथ भी हुआ। हालांकि यह पूरा दावा घनश्याम सिंह का है और भाजपा की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आशुतोष तिवारी को कितना बड़ा मुकाबला मानते हैं?

बीजेपी ने दतिया से इस बार आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारा है, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह उन्हें कोई चुनौती ही नहीं मानते। घनश्याम सिंह का कहना है कि दतिया की जनता, खासकर ग्रामीण इलाकों के लोग आशुतोष तिवारी को नाम से भी नहीं जानते क्योंकि उन्होंने जिले में कभी कोई काम ही नहीं किया।

इसके पीछे की इनसाइड स्टोरी बताते हुए घनश्याम सिंह ने दावा किया कि आशुतोष तिवारी साल 2023 के मुख्य चुनाव में सेवढ़ा सीट से लड़ना चाहते थे। जब वहां बात नहीं बनी, तो उन्होंने एक सोची-समझी रणनीति के तहत नरोत्तम मिश्रा से हाथ मिलाया और अपने मौसी के लड़के सुरेंद्र भदौरिया को बीजेपी का जिला अध्यक्ष बनवा दिया।

प्लान यह था कि जिला अध्यक्ष के रसूख का इस्तेमाल करके अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग कराए जाएंगे और दो-तीन साल में अपनी तगड़ी जमीन तैयार कर ली जाएगी। लेकिन पासा उलटा पड़ गया। जिला अध्यक्ष पर जमीनों पर कब्जे करने के आरोप लगने लगे, जिससे जनता के बीच आशुतोष तिवारी की बनी-बनाई फील्ड भी पूरी तरह खराब हो गई।

भीतरघात का डरः क्या नरोत्तम मिश्रा के समर्थक दिलाएंगे कांग्रेस को जीत?

नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद उनके समर्थकों के रुख को लेकर भी कांग्रेस उम्मीदवार ने बड़ा दावा किया है। घनश्याम सिंह का मानना है कि नरोत्तम मिश्रा बहुत मझे हुए खिलाड़ी हैं और इतनी बड़ी सियासी चोट खाने के बाद कोई भी स्वाभिमानी नेता चुप नहीं बैठ सकता। इस अंदरूनी गुस्से का सीधा फायदा कांग्रेस को मिलने जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मैंने खुद कभी नरोत्तम मिश्रा या उनके करीबियों से संपर्क नहीं किया, लेकिन मिश्रा के समर्थक खुद हमारे पास आ रहे हैं। वे साफ कह रहे हैं कि अगर ऊपर से पड़ने वाले भारी दबाव के चलते नरोत्तम मिश्रा मंच पर आकर बीजेपी के पक्ष में वोट करने की अपील भी कर दें, तो भी जमीनी कार्यकर्ता अब आशुतोष तिवारी का साथ नहीं देंगे। इन लोगों ने मन बना लिया है कि वे अंदरखाने कांग्रेस की ही मदद करेंगे।

डैमेज कंट्रोल के लिए डिप्टी सीएम की एंट्री

दतिया में मचे इस बवाल को शांत करने के लिए बीजेपी आलाकमान ने उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को मोर्चे पर उतारा है। हाल ही में नरोत्तम मिश्रा ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी मुलाकात की थी, जिससे यह दिखाने की कोशिश की गई कि सब कुछ ठीक है। लेकिन घनश्याम सिंह का कहना है कि यह सिर्फ एक दिखावा है, इससे

खुले चोरी के राज, 18 पन्नों की रिपोर्ट पेश, संतों ने क्या कहा? टाइमलाइन

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान और चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मामले के बीच, उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर की दान पेटी से कथित चोरी ने सभी को चौंका दिया है। मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय गठित विशेष जांच दल (रक्ळ) ने अपनी 18 पन्नों की रिपोर्ट मुख्य कार्याधिकारी (उएड) को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में साफ तौर पर बताया गया है कि चढ़ावे में कथित गड़बड़ी एक बार में नहीं, बल्कि कई बार अलग-अगल मौकों पर देखने को मिली है। इसका खुलासा 14 दिन की उउळश फुटेज की रिकॉर्डिंग में हुआ है। जब आरोपी कर्मचारी कथित तौर पर दान की रकम का दुरुपयोग करते दिखे।

मामले में अब दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी मुखर होने लगी है। इसी कड़ी में 7 जुलाई को ही, अध्यक्ष कार्यालय में तैनात निजी सहायक प्रमोद नौटियाल को निलंबित किया गया। इतना ही नहीं, श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (इङळउ) ने नौटियाल को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (ठउइउ) की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज, साध्वी ऋतंभरा और उत्तराखंड बीजेपी अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रियाएं पेश की। उन्होंने दोषियों के खिलाफ एफआईआर की मांग भी उठाई है। आइए विस्तार से जानते हैं कि किसने क्या कहा?

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (ठउइउ) की अध्यक्ष साध्वी निरंजन

ज्योति ने कहा कि सरकार इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है। जांच को लेकर रक्ळ गठित कर दी गई है। जहां भी कोई गड़बड़ी होगी, वहां निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। जो कोई भी आस्था के मामलों के साथ खिलवाड़ करेगा, उसके खिलाफ सबसे सख्त कार्रवाई की जाएगी... व्यवस्था सभी के लिए एक जैसी होनी चाहिए, चाहे वो श्क्ढ हों या आम जनता। मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा तरीका है। मैंने वृंदावन में बेहतरीन इंतजाम देखे हैं। इसी तरह, हमारे सभी तीर्थ स्थलों पर अच्छे इंतजाम होने चाहिए, ताकि आम जनता आसानी से वहां जा सके और पूरी श्रद्धा के साथ भगवान के दर्शन कर सके। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने कहा कि अगर, किसी तरह की कोई वित्तीय गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत द्विवेदी ने सरकार से मांग की है कि बद्रीनाथ मंदिर में हुई गड़बड़ियों की तुरंत जांच के आदेश दिए जाएं और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ तुरंत ऋक्फ दर्ज की जाए... मंदिर सरकार के नियंत्रण में नहीं होने चाहिए। बल्कि उनका प्रबंधन आध्यात्मिक गुरुओं, भक्तों और स्वतंत्र ट्रस्टों द्वारा किया जाना चाहिए... उत्तराखंड में गठित रक्ळ निश्चित रूप से पारदर्शिता लाएगी।

भारत विकास परिषद, अवध प्रान्त, उत्तर मध्य क्षेत्र-2, लखनऊ द्वारा भारत विकास परिषद का 64वाँ स्थापना दिवस

रिपोर्टः भारती जायसवाल

लखनऊः इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स सभागार, रिवर बैंक कॉलोनी, कैसरबाग, लखनऊ में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगीत के गायन से हुआ। इसके पश्चात नारी शक्ति द्वारा अत्यंत सुंदर ढंग से गणेश वंदना प्रस्तुत की गई।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ला द्वारा मुख्य अतिथियों एवं मंचासीन गणमान्य अतिथियों का परिचय दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्री श्री मुकेश जैन ने भारत विकास परिषद का परिचय देते हुए बताया कि परिषद की स्थापना 10 जुलाई 1963 को दिल्ली में डॉ. सूरज प्रकाश एवं लाला हंसराज गुप्ता के प्रयासों से हुई थी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत विकास परिषद देशभर में 80 प्रांतों एवं 10 क्षेत्रों में संगठित होकर अपने पांच प्रमुख सूत्रों—संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण— को आधार बनाकर कार्य कर रही है। परिषद का मूल लक्ष्य "स्वस्थ, समर्थ एवं संस्कारित भारत" का निर्माण करना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता चैतन्य कौशिक ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए परिषद के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद सेवा, संस्कार एवं सामाजिक परिवर्तन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही है।भारत विकास परिषद का संकल्प अत्यंत पवित्र है और परिषद उसी संकल्प को पूर्ण करने हेतु निरंतर कार्यरत है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. आनन्द मिश्रा ने स्थापना दिवस की बधाई देते हुए सभी लोगों विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने एवं अपने चिकित्सक की सलाह मानने का आग्रह किया। उन्होंने स्वस्थ जीवन शैली पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि द्वारा समाज में अपने कार्यों द्वारा अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले पांच गणमान्य व्यक्तियों सर्व श्री डॉ नकुल सिन्हा(हृदय रोग विशेषज्ञ),श्री विभु जिंदल(एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले युवा वैज्ञानिक)के माता पिता,श्री राजीव प्रधान (सामाजिक कार्यकर्ता), श्री उपेंद्र कुमार बाजपेई (पर्वतारोही एवं सामाजिक कार्यकर्ता) तथा सुश्री कंचन अग्रवाल (कनक बिहारी ट्रस्ट की संस्थापिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता) को शाल, एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में पूर्वी शाखा सदस्य श्री शिवेंद्र श्रीवास्तव को 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर एवं डॉ सुमन त्रिपाठी को अपनी शाखा में पांच नए सदस्यों को जोड़ने हेतु माला पहनाकर, अंगवस्त्र, गीता, वंदेमातरम गीत का केलेंडर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

आधुनिक प्लम्बिंग तकनीकों से रूबरू हुए संडीला के प्लंबर, सुप्रीम इंडस्ट्रीज ने संडीला में प्लम्बरों को दिए स्मार्ट प्लम्बिंग के गुर।

तहसील संवाददाता : एहतराम

संडीला, हरदोई। सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्लास्टिक पाइपिंग सिस्टम डिवीजन द्वारा अपने अधिकृत डीलर एम/एस जेएमडी एंटरप्राइजेज के तत्वावधान में सिंह रिजॉर्ट संडीला में "प्लंबिंग कार्यशाला" का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य प्लंबरों को आधुनिक प्लंबिंग तकनीकों की जानकारी देकर उनके तकनीकी कौशल को और बेहतर बनाना था।

कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 50 से 60 प्लंबरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुप्रीम इंडस्ट्रीज की तकनीकी टीम ने प्रतिभागियों को प्लंबिंग कार्य से जुड़ी नवीनतम तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान अंडरग्राउंड एवं एबव ग्राउंड सीवर लाइन सिस्टम के सही इंस्टॉलेशन, वॉटर टैंक के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित संस्थापन तथा संपूर्ण प्लंबिंग लाइन के उचित संयोजन एवं रखरखाव की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्लंबरों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम में संडीला के स्थानीय डीलर श्री अजय द्विवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कंपनी की तकनीकी टीम से श्री शरद यादव एवं श्री लावा सिंह, प्रोजेक्ट टीम से एरिया प्रबंधक श्री बृजेश सिंह तथा सेल्स टीम से श्री विवेक मिश्रा ने कार्यक्रम में सहभागिता कर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने इस प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि सुप्रीम इंडस्ट्रीज भविष्य में भी प्लंबरों एवं तकनीशियनों के कौशल विकास के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन निरंतर करती रहेगी, ताकि उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाली प्लंबिंग सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त दो भाले बरामद

पीलीभीत/संवाददाता।

थाना बीसलपुर पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो भाले भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई को ग्राम लुहिचा निवासी संजीव कुमार पुत्र देवनारायण ने थाना बीसलपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि खेत में सिंचाई के दौरान पाइप लाइन हटाने को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी के बाद बुद्धपाल सहित अन्य लोगों ने मारपीट कर जानलेवा हमला किया। तहरीर के आधार पर थाना बीसलपुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत रविवार को थाना बीसलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खनंका तिराहे के पास से बुद्धपाल पुत्र सीताराम तथा रामजीत पुत्र बुद्धपाल, निवासी ग्राम लुहिचा, थाना बीसलपुर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो भाले बरामद हुए।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक जयपाल सिंह, उपनिरीक्षक सरकार अली तथा कांस्टेबल कपिल कुमार शामिल रहे।

विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल ने किया शिव मंदिर में वृहद पौधारोपण

माल संवाददाता आनंद कुमार

विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल के सेवा सप्ताह के अंतर्गत रविवार को माल प्रखंड के भट्ठा के निकट स्थित शिव मंदिर परिसर में जिला सह मंत्री सुशील कुमार के नेतृत्व में भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकताओं ने पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के संकल्प के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत मंत्री देवेंद्र शामिल हुए।

वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने लोगों से पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करने की भी अपील की।

कार्यक्रम के अंत में जिला सह मंत्री सुशील कुमार ने सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सप्ताह के दौरान समाजहित और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

इस मौके पर कार्यालय प्रमुख संतोष, जिला उपाध्यक्ष डॉ. विनोद रावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रखंड उपाध्यक्ष सरोज चौरसिया, प्रखंड संयोजक चंदन राठौर, प्रखंड सेवा प्रमुख आलोक गुप्ता, श्याम और विनय सौरभ शर्मा, देसराज, संजय रावत ब्रजकिशोर यादव विपिन यादव, डॉ अजय, सुरेश शास्त्री सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजदू रहें।

पाइप लाइन विवाद में जानलेवा हमला करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार,भेजा जेल।

संवाददाता मंजीत शर्मा

पीलीभीत/बीसलपुर। बीसलपुर पुलिस ने खेत में पाइप लाइन हटाने के विवाद में जानलेवा हमला करने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से घटना में प्रयुक्त दो भाले भी बरामद किए हैं।

पीड़ित का आरोप है कि खेत में पड़ी पाइप लाइन हटाने को लेकर हुए विवाद में आरोपियों ने उस पर भालों से जानलेवा हमला कर दिया था। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। शिकायत के बाद बीसलपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी।एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए गए दो भाले भी बरामद कर लिए।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को

'मैं आत्महत्या कर लूंगा', मनमोहन सिंह ने पूर्व चुनाव आयुक्त से क्यों कही थी इतनी खौफनाक बात? सामने आया वो राज

(जीएनएस)।

क्या कोई प्रधानमंत्री चुनाव आयोग की साख पर उठे सवालों को लेकर इतना भावुक हो सकता है कि वह खुद को कटघरे में खड़ा महसूस करने लगे? पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) एस.वाई. कुरैशी की नई किताब 'IndiA And I: A Hundred Memories, Not A Memoir' में दर्ज एक घटना ने इसी सवाल को फिर चर्चा में ला दिया है।

किताब में कुरैशी ने 2012 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान हुई एक मुलाकात का जिक्र किया है, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनसे ऐसी बात कही, जिसने उन्हें भी कुछ पल के लिए हैरान कर दिया।

साल 2012 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान जब कुछ कांग्रेसी मंत्रियों की बयानबाजी से चुनाव आयोग की साख पर आंच आ रही थी, तब डॉ. मनमोहन सिंह इस कदर आहत हुए थे कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से फोन पर यहां तक कह दिया था कि वह आत्महत्या कर लेंगे। आइए इस पूरे वाकये को समझते हैं।

किताब में क्या दावा किया गया है?

एस.वाई. कुरैशी ने अपनी किताब 'IndiA And I: A Hundred Memories, Not A Memoir' में लिखा है कि 2012 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग और कांग्रेस के कुछ नेताओं के बीच तनातनी का माहौल बन गया था। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के एक चुनावी बयान पर चुनाव आयोग ने मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (MCC) के उल्लंघन का मामला माना।

किताब के मुताबिक सलमान खुर्शीद ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो मुस्लिमों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया जाएगा।

इस बयान के बाद भाजपा ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई। आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सलमान खुर्शीद को आचार संहिता के उल्लंघन पर फटकार लगाई। कुरैशी के मुताबिक उस समय चुनाव आयोग के पास यही सबसे सख्त कार्रवाई उपलब्ध थी।

चुनाव आयोग पर क्यों उठे सवाल?

एस.वाई. कुरैशी लिखते हैं कि इस फैसले के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं की तरफ से चुनाव आयोग को "मनमाना" और "अहंकारी" बताया जाने लगा। उनका कहना है कि आलोचना से उन्हें कभी परेशानी नहीं हुई, लेकिन जब किसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे तो उन्होंने इसे गंभीरता से लिया।

उन्होंने अपनी नाराजगी तत्कालीन प्रधानमंत्री के प्रेस सचिव हरीश खरे से साझा की। हरीश खरे ने पूछा कि क्या यह बात प्रधानमंत्री तक पहुंचाई जाए, जिस पर कुरैशी ने सहमति जताई।

फिर प्रधानमंत्री का फोन आया

कुरैशी के मुताबिक अगले ही दिन प्रधानमंत्री कार्यालय से उन्हें फोन आया। कुछ देर बाद खुद डॉ. मनमोहन सिंह लाइन पर आए और उनसे जल्द मिलने का आग्रह किया। उसी शाम दोनों की मुलाकात तय हुई। किताब में कुरैशी लिखते हैं कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, "हरीश ने मुझे बताया कि आपने क्या कहा। अगर आपको सच में ऐसा लगता है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।"

कुरैशी बताते हैं कि वह यह सुनकर कुछ पल के लिए चुप रह गए। उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि उनकी नाराजगी प्रधानमंत्री से नहीं, बल्कि कुछ मंत्रियों की टिप्पणियों को लेकर थी।

चुनाव आयोग पर क्या बोले मनमोहन सिंह?

किताब के मुताबिक डॉ. मनमोहन सिंह ने बातचीत के दौरान कहा कि अगर उन्हें पहले इस मामले की जानकारी होती तो वह संबंधित मंत्रियों को तुरंत फटकार लगाते। उन्होंने कुरैशी से यह भी कहा कि भविष्य में अगर कभी ऐसी कोई बात हो तो सीधे उन्हें फोन करें।

कुरैशी ने किताब में मनमोहन सिंह का एक और बयान दर्ज किया है। उनके मुताबिक तत्कालीन प्रधानमंत्री ने कहा था,

"चुनाव आयोग सिर्फ भारत की शान नहीं है, बल्कि हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। अगर यह कमजोर हुआ तो हम सब कुछ खो देंगे।"

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त का दावा है कि इस मुलाकात के बाद चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस नेताओं की सार्वजनिक टिप्पणियां लगभग बंद हो गईं। किताब के आखिर में कुरैशी ने मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व का जिक्र करते हुए लिखा है कि उन्होंने अपने जीवन में कई ताकतवर लोगों को देखा, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे मिले जिन्होंने सत्ता को इतनी सादगी से संभाला और उसकी जिम्मेदारी को इतनी गंभीरता से महसूस किया।

सुनेत्रा पवार की होने बहू 'कश्मीर की कली' किस जाति से है? कब है शादी?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति की सबसे चर्चित 'पवार' परिवार में जल्द ही शहनाई की धुन सुनाई देने वाली है। इसके पीछे वजह है- राज्य की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार के बेटे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राज्यसभा सांसद पार्थ पवार की सगाई। मराठी मीडिया की कई रिपोर्टों के मुताबिक, 'कश्मीर की कली' से अजित पवार और सुनेत्रा पवार के बेटे पार्थ की सगाई 29 जुलाई 2026 को होने वाली है।

कार्यक्रम पुणे स्थित पवार परिवार के फार्महाउस में होने की पूरी संभावनाएं हैं। ऐसे में इंटरनेट पर सुनेत्रा पवार की होने वाली बहू की जाति और बैकग्राउंड को लेकर कार्फी सर्च देखा जा रहा है। आइए हम आपको रूबरू कराते हैं कि आखिर कौन है ये कश्मीर की कली? क्या है जाति? कैसे लडे. नैना?

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, कायनात धर मूल रूप से जम्मू-कश्मीर की रहने वाली हैं। लेकिन, उनकी पढ़ाई दिल्ली में हुई। और यहीं से करियर को उड़ान मिली। वह मॉडल और उद्यमी के रूप में काम करती हैं। कायनात दिल्ली और मुंबई के बीच काफी एक्टिव रहती है।

हाल ही में, सुप्रिया सुले की बेटी रेवती सुले की शादी में कायनात धर की मौजूदगी दर्ज की गई। शादी समारोह में पार्थ पवार और सुनेत्रा पवार के साथ ही तस्वीरों में कायनात भी खड़ी थीं। पवार परिवार की साथ उनकी मौजूदगी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इससे पहले, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के दौरान पार्थ के साथ कायनात को देखा गया। ऐसे में सियासी गलियारों में चर्चा शुरू हो गई कि क्या यही पवार परिवार की होने वाली बहू है। इन दो घटनाओं ने अटकलों को हवा दी। 28 जनवरी 2026 को, बारामती के पास प्लेन क्रैश में अजित पवार का निधन हो गया। इस दुख की घड़ी में भी कायनात साथ खड़ी रहीं। इसके बाद, सियासत में तेजी से चर्चा उठने लगी कि कायनात ही पवार परिवार की आने वाली पीढ़ी की चाबी हैं। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कायनात और पार्थ के पारिवारिक संबंध काफी पुराने हैं। जब सुनेत्रा पवार कश्मीर गई थीं, तब कायनात के परिवार ने उनका स्वागत किया था। लेकिन, इसकी पुष्टि साफ तौर पर नहीं है।

कायनात धर ने अपनी जाति या समुदाय को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि, कश्मीर के कुछ पुराने पन्नों को पलटें तो, साफ नजर आता है कि धर उपनाम कश्मीरी पंडितों में एक प्रमुख पारंपरिक उपनाम माना जाता है। इसे ब्राह्मण समुदाय से जोड़ा जाता है। वहीं, अगर हम पार्थ पवार की बात करें तो, वो मराठा समुदाय से हैं। जाति क्षत्रिय है।

पब में भीषण आग, 27 की मौत, 60 से ज्यादा घायल, कैसे हुआ हादसा?

(जीएनएस)।

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार देर रात एक बार में भीषण आग लगने से 27 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

कई लोग जान बचाने के लिए इमारत के पिछले हिस्से में बने टॉयलेट में छिप गए, लेकिन धुएं और आग के तेज लपटों के बीच बाहर नहीं निकल सके। शुरूआती जानकारी के मुताबिक आग बिजली के कट-आउट स्विच के पास लगी थी। फिलहाल पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच कर रही है।

फायर ब्रिगेड को सोमवार रात करीब 12 बजे के बाद आग लगने की सूचना मिली। जब दमकल की टीम मौके पर पहुंची तो बार के मुख्य दरवाजे से लोग जान बचाकर बाहर भाग रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के वीडियो में इमारत से ऊंची-ऊंची लपटें उठती दिखाई दीं। हादसे में 27 लोगों की मौत हुई, जिनमें 9 पुरुष और 18 महिलाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने बताया कि आग लगने के समय बार में प्रस्तुति दे रहे एक संगीतकार के मुताबिक सबसे पहले बिजली के कट-आउट स्विच के पास आग लगी। इसके बाद तेज धमाकों जैसे हालात बने और कुछ ही मिनटों में पूरा बार धुएं और आग की चपेट में आ गया। कई लोग पीछे बने टॉयलेट में छिप गए, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल सका। सबसे ज्यादा शव वहीं से बरामद हुए।

आधे घंटे में बुझी आग, लेकिन तब तक हो चुका था बड़ा नुकसान

दमकलकर्मियों ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि तब तक पूरा बार बुरी तरह जल चुका था। आग बुझने के बाद बाहर बड़ी संख्या में बॉडी बैग दिखाई दिए। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया। बार के अंदर फर्नीचर, दीवारें और छत पूरी तरह जलकर काली पड़ गईं, जबकि छत के कुछ हिस्से भी ढह गए।

यह हादसा बैंकॉक के चातुचक जिले में स्थित लोकप्रिय बार 'रोंग बीयर ना लाट फ्राओ' में हुआ। घटनास्थल पर पहुंचे बैंकॉक के गवर्नर चाचार्ट सित्तिपुंत ने कहा कि बार के अंदर लगी ज्वलनशील सजावटी सामग्री के कारण आग बेहद तेजी से फैली। हालांकि आग लगने की असली वजह अभी साफ नहीं है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

श्री पीयूष गोयल 13 से 17 जुलाई 2026 तक स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की यात्रा पर उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल 13 से 17 जुलाई 2026 तक स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की यात्रा पर एक उच्च स्तरीय भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह यात्रा व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पूरे यूरोप में आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

इस प्रतिनिधिमंडल में उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रत्न और आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य सेवा और डिजाइन सहित विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी भारतीय कंपनियां शामिल हैं।

13 जुलाई को स्पेन की अपनी यात्रा के दौरान, श्री गोयल द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने और प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से

उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वे स्पेन सरकार के प्रथम वाइस-प्रेसिडेंट और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं व्यवसाय मंत्री महामहिम श्री कार्लोस कुएर्पो कैबलेरो; उद्योग एवं पर्यटन मंत्री महामहिम श्री जोर्डी हेरेउ बोहर; और विदेश मामलों, यूरोपीय संघ एवं सहयोग मंत्री महामहिम श्री जोस मैनुअल अल्बारेस ब्यूनो के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। वे भारत के निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करने और व्यापार-से-व्यापार साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख स्पेनिश कंपनियों और उद्योग संघों के साथ एक भारत-स्पेन व्यापार गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता भी करेंगे।

श्री गोयल स्पेन के चैंबर ऑफ कॉमर्स, सीईओई और आईसीईएक्स स्पेन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट के साथ एक बिजनेस राउंडटेबल में भाग लेंगे। इस सत्र में भारतीय और स्पेनिश उद्योग जगत के नेता ऑटोमोटिव, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन क्षेत्रों में अवसरों का पता लगाने के लिए एक साथ आएंगे।